

sich viel sagen lässt Rāgā-Tar. ३, ६७. impers.: सर्वपि च वक्तव्यं न प्राणायत्त पाएऽयोः MBH. ४, ८७. M. ८, १३. R. ed. Bomb. ३, ४०, ९. Sāh. D. २, ८. पामीति वक्तव्ये कः परिश्रमः: welche Mühe ist es zu sagen «ich gehe?» HARIV. ४८१३. साधु भूषेति वक्तव्ये — साध्यतितिति वदन् anstatt साधु भूष zu sagen Rāgā-Tar. ३, १७. नाये वक्तव्यस्य कालः Zeit zu reden PANĀK. १९४, २३. — २) anzureden, zu dem man sprechen soll (mit acc. der Sache): वक्तव्याशापि राजानः सर्वे — युधिष्ठिरस्याशमेधो भवद्विरनुभूताम् MBH. १४, २२१७. HARIV. ११३०। R. २, २७, १०. ५२, ३३ (४९, ३४ GORH.). ५८, १९. ३, ४४, ९. Mṛkāh. ३३, १२. Čāk. ३३, १०. KATHĀS. १२, ९६. PANĀK. १९३, १४. अल्पपूर्वप्रियं वाक्यं न वक्तव्ये R. GORH. २, २३, १४. १३, ५, ३६, ५. माता च मम कौ-सल्या कुशलं चाभिवादनम्। अप्रमादं च वक्तव्या R. ed. SCHL. २, ५८, १४. VARĀH. Brh. S. ४४, ७. BHĀTT. ७, १९. — ३) tadelnswert, übelberüchtigt; = गर्जा, कुसित AK. ३, ४, २२, १६। H. a.n. (lies गर्जा st. गृह्णा). MED. M. ८, ६६. आ केशाप्रान्तायाप्राच्च वक्तव्यो (so die ed. Bomb.) वक्तुमिच्छासि MBH. ७, १५३. n. Tadel, Vorwurf: एको मां दृक्ति ज्ञापवादविक्षिवक्तव्यं पदितु मया दृता प्रियेति Mṛkāh. १६७, १२. — ४) (verantwortlich, Rede und Antwort zu geben verpflichtet) abhängig, in der Gewalt von — stehend; = अधीन AK. st. dessen fälschlich दृग्न H. a.n. MED. कामवक्तव्यवृद्धया R. ३, २, २५. — Vgl. पुनर्वक्तव्य, वचनीप, वाच्य.

वक्तव्यता f. nom. abstr. १) von वक्तव्य ३): वक्तव्यता या, गम् oder वक्र् dem Tadel anheimfallen, sich einen Tadel zuziehen MBH. १०, ८६. HARIV. ४२०४. R. ७, ४३, ६. so v. a. Verantwortlichkeit: दिवा वक्तव्यता पाले रात्रै स्वामिनि तदृहे। योगजेऽन्यथा चेतु पालो वक्तव्यतामियात्॥ M. ८, २३०. — २) von वक्तव्य ४): तस्य वक्तव्यता याति gerathen in seine Gewalt MBH. १२, १३८७७. साहं वदर्शनाद्विप्र कामवक्तव्यता गता MĀRK. P. ६१, ४७. कामवक्तव्यता नीतिः ६४, ७.

वक्तव्यत न. nom. abstr. von वक्तव्य १): अवश्यं NILAK. zu MBH. १, ७३०८. वक्ति (von वक्र्) f. Rede Brh. ĀR. Up. ४, ३, २६ (वचस् ČAT. Br.). — Vgl. उक्ति.

वक्तुं nach Sāj. harte Worte führend RV. ७, ३१, ५; s. jedoch u. वक् infin. वक्तुक् am Ende eines adj. comp. von वक्तुर् Sprecher: तदक्तुकौ वेदावाक्यार्थापेद्यः Comm. zu KAP. १, ९९.

वक्तुता (von वक्तुर्) f. Rednerei, Gewandheit in der Rede: विना सत्यं च वक्तुता ČATR. १०, १८९.

वक्ता (von वक्र्) UNĀDIS. ४, १६६. n. SIDDH. K. २४९, b, ३. m. (nicht zu belegen) und n. २५०, b, ६. वक्ता am Ende von Ortsnamen P. ४, २, १२६. १) Mund, Maul, Gestcht, Schnauze, Schnabel AK. २, ६, २, ४०. H. ५७२. a.n. २, ४५२. MED. r. ८४. HALĀJ. २, ३६३. ČIKSHĀ in Ind. St. ४, १०७. M. ८, २७२. MBH. १, ५९३. १२, ४२७३. R. ४, ९, ८२. AMRTAN. Up. in Ind. St. ९, २७. Suçr. १, ११६, १४. १२०, १९. १३३, ७. १८७, १०. नेत्रवक्त्रविक्ताः Spr. ३१०. वक्तामृत ७७३. हृस्तोऽयम् विना वक्ते प्रविशेन कथं च न (भोजनम्) १४४३. VARĀH. Brh. S. ३१, ३२. ३८, ९, ७७, ३५. fg. KATHĀS. १८, १६५. PANĀK. २६४, १. चन्द्रामः MBH. ३, २८६०. MEGH. ५१. Spr. २३१८. २६९६. fg. VARĀH. Brh. S. ६८, ५६. १०३. ६९, २४. DHŪRTAS. ६६, ५. ६. ८. ७२, ११. मृगपतिः Suçr. १, ९६, १५. गङ्गा MBH. ३, १२२४७. VARĀH. Brh. S. ११३, २. १३. ११४. १३. ११५. करालः (उलूक) PANĀK. १४४, २२. वक्ता करुः den Mund —, das Maul aufsperrn R. ५, ५६, १७. fg. Am Ende eines adj. comp. f. आ MBH. ४, ४४५. R. ५, १७, २८. RT. ३, १. KATHĀS. २८, ४१. ४४, ३३४. १२४, १९८. KĀURAP. २८. Verz. d. Oxf. H. १४६, a, No. ३१०. —

२) Spitze (eines Pfeils): तीक्ष्णा० MBH. ७, ४९६३. — ३) Schnauze eines Ge- fasses; s. ग्र०. — ४) Anfang: कलि० GANITĀDHJ. PRATJABDAÇ. ११. — ५) the initial quantity of the progression; the first term COLEBR. Alg. ३२. — ६) = शेषः ein aus ४×८ Silben bestehendes Metrum H. a.n. COLEBR. Misc. Ess. II, ११८. १३७. Ind. St. ४, ३१३. ३३१. fgg. KĀVYĀD. १, २६. SĀH. D. ५६७. PRATĀPAR. १९, a, ७. — ७) eine Art Zeug (वक्तव्यमेत्र) MED. — ८) die Wurzel von Tabernaemontana coronaria R. Br. (तारमलू) ČABDAM. im ČKDR. — ९) fehlerhaft für वक्र in अप्र० Suçr. २, ३६, ४. — Vgl. ग्र०, अ-न्वतरसंधि० (unter अन्वतरम्), अप०, अपर०, दधि०, दत०, दश०, पञ्च०, पार्श्व०, पूर्ति० पूर्य०, महा०, यव०, सूची० und मुख, वदन.

वक्त्राक् am Ende eines adj. comp. = वक्त्र १) HARIV. १४३०२. — Vgl. अप०.

वक्त्राखुर् m. Zahn २, ६, २९.

वक्त्राय m. ein Brahmane (aus Brahman's Munde entstanden) TRIK. २, ७, २.

वक्त्राताल n. = वक्रनाल ČABDAR. bei WILSON.

वक्त्रतुएऽ m. Bez. Gaṇęça's Liñga-P. bei MUIR, ST. III, १६१. WILSON, Sel. Works I, २६७. fehlerhaft für वक्रतुएऽ.

वक्त्रदेष्ट् s. वक्रदेष्ट्.

वक्त्रदल n. Gaumen H. c. १२२ (fälschlich वक्र०).

वक्त्रपृ H. १२३१ zur Erklärung von तलिका, तलसारक.

वक्त्रपेदिन् adj. bitter (den Mund stechend) H. १३८९.

वक्त्रपेदिन् adj. mit dem Maule kämpfend; m. N. pr. eines Asura HARIV. २६३२. VP. १४८.

वक्त्रारुह Schnauzhaar, beim Elefanten VARĀH. Brh. S. ६७, १०.

वक्त्रारोग m. eine Krankheit des Mundes; वक्त्रोरोगिन् adj. damit be- hastet VARĀH. Brh. २०, १.

वक्त्रास (वक्त्र + वास Wohlggeruch) m. Orange RĀGĀN. im ČKDR.

वक्त्राशोधन १) adj. den Mund reinigend. — २) n. die Frucht der Averrhoa Carambola Lin. RĀGĀN. im ČKDR.

वक्त्राशोधिन् १) adj. den Mund reinigend. — २) m. Citronenbaum (u. Citrone) ČATĀDH. im ČKDR.

वक्त्रासव m. Speichel TRIK. २, ६, १८.

वक्त्रा adj. s. v. a. वक्तव्य auszusprechen, zu sagen RV. ३, २६, ९. ६, ९, २.

स वक्त्रान्युत्था वेदाति ३.

वक्त्रन् (von १. वक्र्) n. nach Sāj. so v. a. मार्गमृत RV. १, १३२, २.

वक्त्रनैडिसत्प adj. nach Sāj. treu den Ordern der heiligen Reden d. h. den Stotar RV. ६, ३४, १०.

वक्त्रन् (von १. वक्र्) adj. verkündenswerth, preiswürdig: प्रते विवक्ति वक्त्रयो य एषां मुरुलौ मद्दिमा सूत्यो अस्ति RV. १, १६७, ६.

वक्त्रा (von २. वक्र्) UNĀDIS. २, १३. gaṇa न्यक्षुदि zu P. ७, ३, ५३. n. SIDDH. K. २४९, b, १. १) adj. (f. आ) a) gebogen, krumm, schief (Gegens. सूत्) AK. ३, २, २१. TRIK. ३, ३, ३६४. H. १४५६. a.n. २, ४५२. MED. r. ६६. HALĀJ. ४, ११. धन्वन् AV. ४, ६, ४. ७, ५६, ४. वयसः पत्ता ČAT. Br. १०, २, १, ७. १०. ११, ७, ३, २. KĀTJ. ČR. ४७, १, १६. ७, २४. MBH. ३, १०६०८. यत्व Suçr. १, २५, २१. २७, १५. ध-नुरुक्त ११४, १. समिध् GRHJASĀGR. १, २९. fg. नाडि त्रिवक्ता Suçr. २, १८२, १. को-तक्ती Spr. ५०४६. शिखा VARĀH. Brh. S. ११, १२. ३३, १६. ४७, २४. वंशा Verz. d. Oxf. H. १४३, b, २२. दारु AK. २, २, १४. H. १००९. दारु च वक्रसंस्थम् HALĀJ. २, १४८. बालेन्दु० KUMĀRAS. ३, २९. PRAB. ८०, ११. नासा Verz. d. Oxf. H. ४१,